delhi_Page 1 and 2 14/04/2015 09:37 Page 12

विचार ही परिस्थितियों के निर्माणकर्ता-सतेन्द्र जैन

ओ.आर.सी. में डॉक्टर्स के लिए दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन...

ओ.आर. सी.। जैसे हमारे विचार होते हैं वैसी ही परिस्थिति निर्मित हो जाती है। मैं जब 47 साल का हुआ तो मेरा संकल्प था कि 50 साल पूरे होने के बाद मैं समाज सेवा के कार्य में लग जाऊंगा।

ठीक कुछ समय बाद ही अन्ना जी का आंदोलन शुरु हो गया और मैं उससे जुड़ गया। आज 80 प्रतिशत बीमारी भी मन के नकारात्मक संकल्पों से ही होती है। उक्त विचार माननीय सतेन्द्र जैन,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री,दिल्ली सरकार ने गुड़गांव, ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शान्ति रिट्रीट सेंटर में डाक्टर्स के लिए आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अवसर पर स्प्रीच्युअल मेटामॉरफॉसिस विषय पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मैं यहाँ कुछ देने नहीं आया बल्कि यहाँ से कुछ लेने के लिए आया हूँ। यहाँ के शांतिपूर्ण वातावरण से सहज ही लगता है कि योग के प्रकम्पन चारों तरफ फैल रहे हैं। जब हम कोई भी कार्य मन लगाकर करते हैं तो वो भी एक प्रकार का योग ही है। जितना हम जागृत रहते हैं उतना स्वयं का निरीक्षण सहज ही कर सकते हैं। मुझे योग के बारे में इतनी जानकारी नहीं है लेकिन यहाँ आकर लगता है कि अब जल्दी ही सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉक्टर्स को चाहिए कि आज की नई तकनीक के साथ-साथ मुस्कुराहट की तकनीक का सदा ही प्रयोग करें, अगर आप सब कुछ करने के बाद भी अपने व्यवहार से दूसरों को संतुष्ट नहीं कर पाते तो सही परिणाम नहीं मिलता।

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य सचिव ब्र.कु.बृजमोहन ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि आज संसार में जितनी भी दु:ख-बीमारी हैं उनका ज़िम्मेवार मानव स्वयं ही है। हमने वायु, जल एवं पृथ्वी को इतना दूषित कर दिया कि जिससे स्वत: ही अनेक प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। आध्यात्मिक शक्ति से ही परिवर्तन हो सकता है। बीमारी का मूल कारण हमारे विचार हैं, विचार भी संस्कारों से पैदा होते हैं और संस्कार आत्मा में स्थित हैं। जब हम अपने संस्कारों को श्रेष्ठ एवं पवित्र बनायेंगे तब ही जीवन सुखमय बनेगा।

ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग के चेयरपर्सन डॉ.बनारसी ने सम्मेलन के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि आज सरकार जितने हॉस्पिटल खोल रही है, उतनी ही बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। लोगों में व्यसन बढ़ते ही जा रहे हैं। हमें अगर संपूर्ण स्वास्थ्य को प्राप्त करना है तो स्वयं को जानना बहुत ज़रूरी है जो कि राजयोग के द्वारा ही संभव है। ब्रह्माकुमारीज़ में आज लाखों युवा हैं जो पहले कोई न कोई व्यसन करते थे लेकिन राजयोग के अभ्यास से उनके अंदर सहज ही परिवर्तन आने से व्यसनमुक्त हो गये। राजयोग हमारी आत्मिक शक्ति को बढ़ाता है, जिससे परिवर्तन करने में दृढ़ता आ जाती है।

मुंबई से आये सुप्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ.गिरीश ने बताया कि हम कई बार वर्तमान देखकर निराश हो जाते हैं लेकिन देखा गया है कि उसमें भी कहीं न कहीं कोई कल्याण अवश्य ही होता है। आज लोगों के पास सूचनायें बहुत हैं लेकिन सही ज्ञान नहीं है। मन का हमें सही रूप से उपयोग करना सीखना है। ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु.आशा ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि आप सभी जब यहाँ से जायें तो एक ऐसी ऊर्जा अपने साथ लेकर जायें जो सभी कहें कि आपका तो कायाकल्प हो गया है। दिल्ली की डॉ.मंजू गुप्ता ने सभी को राजयोग का अभ्यास करवाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मोहित गुप्ता, हृदय रोग विशेषज्ञ, पंत हॉस्पिटल दिल्ली ने किया। कार्यक्रम में 700 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

पॉज़ीटिव वायब्रेशन के द्वारा भी मरीज़ को हील करने की आवश्यकता है।

ब्रह्माकुमारीज़ की वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु.शिवानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय डॉक्टर्स का कार्य सिर्फ शरीर का इलाज करना व दवाई देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें अपने पॉज़ीटिव वायब्रेशन के द्वारा भी मरीज़ को हील करने की आवश्यकता है। जितना हम मन से दूसरों को प्यार और सम्मान देते हैं, उतनी ही हमारी शक्ति बढ़ती है। उन्होंने कहा कि जो भी दिन भर हम दूसरों को देते हैं वही हमको मिलता है और उसे ही हम शाम को अपने परिवार को देते हैं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में फरिश्तों का बहुत आह्वान किया जाता है, आप सब भी फरिश्ते हैं क्योंकि आप, लोगों को जीवन दान देते हो। सबसे बड़ी शक्ति हमारे मन की है, जितना आप मन से सशक्त होंगे उतना ही दूसरों की सेवा अच्छी तरह कर पायेंगे। उन्होंने कहा कि आज जितने भी झगड़े होते हैं उसका मूल कारण यही है कि हम एक-दूसरे को स्वीकार नहीं करते। इस संसार में हरेक की अलग-अलग यात्रा है, संस्कारों में भिन्नता होने के कारण कोई भी दो आत्माएं एक समान नहीं हो सकती।

डॉ. प्रताप मिड्ढा, मुख्य चिकित्साधिकारी, ग्लोबल हॉस्पिटल माउण्ट आबू ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दी जा रही चिकित्सा सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्लोबल हॉस्पिटल के द्वारा हम राजस्थान के अनेक गाँवों में चिकित्सा शिविर आयोजित कर उन्हें मानसिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर शिक्षा भी देते हैं।

जैविक खेती के साथ राजयोग के प्रयोग की अनोखी पहल

सारनाथ। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा निकाली गई किसान सशक्तिकरण अभियान के वाराणसी पहुँचने पर स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। दिव्य किसान सेवा रथ के साथ के लोगों ने नगर में शांतियात्रा निकालकर लोगों को गोकुल गांव बनाने में सहयोग की अपील की।

इस दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्था ने खेती में जैविक खाद के साथ योग-साधना के प्रयोग की अनोखी पहल की है जिसे शाश्वत यौगिक खेती कहा जाता है। इसके तहत कृषि विश्व विद्यालय पंतनगर, दांतीवाड़ा गुजरात एवं महाराष्ट्र के दो कृषि विश्व विद्यालयों में हो रहे प्रयोगों के आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिले हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षा, ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्वी उत्तरप्रदेश एवं पश्चिम नेपाल की निदेशिका ब्र.कु.सुरेन्द्र ने आशीर्वचन एवं अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज के समय की मांग है शाश्वत यौगिक खेती एवं जैविक प्रविधि के बल पर अपने कृषि उपज को समुन्नत बनाना।अभियान की मुख्य वक्ता ब्र.कु.मीता ने खेती में राजयोग-साधना के प्रयोग की विधि स्पष्ट करते हुए कॉमेन्ट्री के माध्यम से लोगों को गहन शान्ति की अनुभूति कराई। साथ ही योग की शक्ति को खेती में प्रयोग कर पौष्टिक एवं उन्नतशील पैदावार के लिए लोगों को प्रेरित किया।

अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए ब्र.कु.सुरेद्र बहन।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर रामगोपाल मोहले ने जैविक खाद एवं नवीनतम आध्यात्मिक विधि-विधानों के प्रयोग द्वारा कृषि क्षेत्र में समुन्नत विकास लाने हेतु आयोजित अभियान को क्रान्तिकारी अभियान बताते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रति अपनी हार्दिक शुभ-कामना व्यक्त की। सुमन यादव, उपाध्यक्ष राज्य महिला आयोग ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088**, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । **विदेश** - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th Apr-2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।